ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-07-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-19	2023-07-20	2023-07-21	2023-07-22	2023-07-23
वर्षा (मिमी)	60.0	20.0	20.0	25.0	40.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	34.0	35.0	36.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	24.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	90	90	95	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	40	40	45	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	10	8	8	12
पवन दिशा (डिग्री)	110	110	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	8	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (11-17 जुलाई) में 82.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.2 से 34.0 डिग्री सेल्सियस और 25.4 से 27.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। आसमान में बादल छाये रहे. सुबह सुबह 0712 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 82 से 90% के बीच रही तथा शाम 1412 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 64 से 95% के बीच रही। हवा की गति 2.0 से 5.9 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा अधिकतर उत्तर की ओर थी । आगामी पांच दिनों (18-22 जुलाई) के लिए पूर्वानुमान में हल्की से मध्यम बारिश (20-60 मिमी) होने का अनुमान है जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31-36 डिग्री सेल्सियस और 24-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति 8-13 किमी प्रति घंटे के बीच होगी और दिशा अधिकतर पूर्व की ओर होगी । चेतावनी: जिले में 18 और 21 जुलाई के लिए भारी से बहुत भारी बारिश, गर्जन के साथ बिजली चमकना और तीव्र बारिश के संबंध में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि 19, 20 और 22 जुलाई को गर्जन के साथ बिजली चमकना और तीव्र बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें तथा बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है । इससे किसानो को कृषि कार्यों में निर्णय लेने में मदद मिलेगी और आम इंसान जान-माल की क्षति से बच सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

जिले में हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और सभी कृषि कार्यों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपाई इसी महीने में पूरी कर ली जानी चाहिए और 10 दिन के अंदर प्लॉटों में मारे तथा खली जगहों पर फिर से रोपाई कर लेनी चाहिए। किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशी का प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए।
गन्ना	जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और गन्ने की जड़ों पर पर्याप्त मिट्टी चढ़ायें। जब फसल की बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बांध दें।
मक्का	खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करनी चाहिए. मक्के की बुवाई पूरी कर लेनी चाहिए और जल जमाव की स्थिति से बचने के लिए रिज फ़रो बुवाई का पालन करना चाहिए। जून में बोई गई मक्के की फसल में बुवाई के 15 और 30 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। जब फसल लगभग 2 फीट की ऊंचाई की हो जाए तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए पर सभी किसानी गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।
मूँग	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में मूंग की बुवाई का सर्वोत्तम समय जुलाई का द्वितीय पखवाड़ा है और भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी.की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें। पूर्वानुमान के अनुसार भारी वर्षा की स्थिति में बुवाई स्थगित कर देनी चाहिए और खेत में उचित मात्रा में नमी होने पे ही बुवाई करनी चाहिए।
काला चना	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में उर्द की बुवाई का सर्वोत्तम समय जुलाई का द्वितीय पखवाड़ा है और भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी.की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें। पूर्वानुमान के अनुसार भारी वर्षा की स्थिति में बुवाई स्थगित कर देनी चाहिए और खेत में उचित मात्रा में नमी होने पे ही बुवाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	जल जमाव के कारण होने वाले नुकसान से बचने के लिए मिर्च की रोपाई मेड़ों पर की जानी चाहिए और पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी 50 सेमी होनी चाहिए। उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए क्योंकिक्यों अधिक मात्रा में खेत में लगभग 24 घंटे तक पानी रहने से फसल सूख जाती है। हालाँकि, पूर्वानुमान के अनुसार भारी वर्षा के कारण रोपाई में देरी की जा सकती है।
गोभी	रोपी गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।